

कठपुत्र परिपत्र सं० - 1819068 दि० 03-12-2018

परिपत्र सं०-स0द0-25 क-ई0-वे बिल पोर्टल/2018-19/1621 /वाणिज्य कर
कार्यालय -कमिश्नर वाणिज्य कर उत्तर प्रदेश
(सचलदल-अनुभाग)

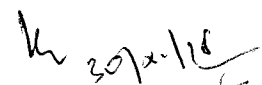
लखनऊ :दिनांक :: 03 नवम्बर :2018
दि०

समस्त जोनल एडीशनल कमिश्नर
समस्त एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-2(वि०अनु०शा०)
समस्त ज्वाइन्ट कमिश्नर(कार्यपालक / वि०अनु०शा०)
वाणिज्य कर उत्तर प्रदेश।

प्रवर्तन में कार्य कर रहे अधिकारियों की ओर से निरन्तर यह पृच्छा प्राप्त हो रही है कि करापवंचन करने वाली कुछ फर्मों के चिन्हित हो जाने के उपरान्त भी उन्हें ई वे बिल जनरेट करने से प्रतिबन्धित किये जाने का प्रावधान किया जाए। इस संबंध में ई वे बिल पोर्टल पर यह प्रावधान किया गया है कि यदि सम्बन्धित फर्म का GSTIN, जी०एस०टी० पोर्टल पर सम्बन्धित खण्डाधिकारी द्वारा निरस्त कर दिया गया है, तो ई-वे बिल पोर्टल पर प्रश्नगत GSTIN को अपडेट करने पर उसका स्टेटस निरस्त किया जा सकता है। इसके उपरान्त ही फर्म को ई-वे बिल जनरेट करने से रोका जा सकता है।

खण्डाधिकारी द्वारा नोटिस जारी करने के उपरान्त फर्म का पंजीकरण निरस्त होने में 15 दिन का समय लगता है। ई-वे बिल पोर्टल को प्रत्येक 24 घंटे में एकबार जी०एस०टी०पोर्टल के अनुसार अपडेट किया जाता है, जिससे फर्मों का पंजीकरण निरस्त होने का अद्यतन स्टेटस अपडेट हो जाता है। इसके उपरान्त भी कतिपय ऐसे प्रकरण प्रकाश में आए हैं जहाँ GSTIN निरस्त होने के उपरान्त भी उसका अद्यतन स्टेटस ई-वे बिल पोर्टल पर अपडेट नहीं हो सका है।

अतः अधीनस्थ अधिकारियों को यह निर्देशित करना सुनिश्चित करें कि किसी भी फर्म का GSTIN निरस्त करने के उपरान्त ई-वे बिल पोर्टल पर अद्यतन स्टेटस अपडेट न होने की दशा में ई-वे बिल नोडल आफिसर की ई-मेल आई०डी०-vidhushekhar1966@gmail.com पर निरस्तीकरण आदेश की प्रति तथा cancelled status का screenshot संलग्न करते हुए ई-वे बिल पोर्टल पर तदनुसार अपडेट किए जाने हेतु तत्काल प्रेषित करें, ताकि करापवंचक फर्म GSTIN कैंसिल हो जाने के उपरान्त भी फर्जी ई-वे बिल के माध्यम से करापवंचन न कर सकें। इस ई-मेल में सब्जेक्ट के रूप में "GSTIN CANCELLED" ही अंकित किया जाना सुनिश्चित कराया जाए।


(कामिनी चौहान रतन)
कमिश्नर, वाणिज्य कर
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।